

प्रेषक,

गोपाल कृष्ण द्विवेदी,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
शहरी विकास विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक-24 दिसम्बर, 2007

विशय : नगर पालिका परिषद, रुड़की के अन्तर्गत अवस्थापना विकास निधि से वित्तीय वर्ष-2005-06 में स्वीकृत कार्यों की अवशेष धनराशि की चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 683/V-श.वि.-06-68(सा.)/2006, दिनांक 25.3.2006 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से नगर पालिका परिषद, रुड़की जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत पन्द्रह कार्यों हेतु ₹0-258.00 लाख की लागत के आगणन के विपरीत ₹0-229.47 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए ₹0 106.20 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई थी। इस सम्बन्ध में आपके पत्र सं० 1932/श.वि.नि.-485-2005/लेखा /07-08 दिनांक 07 अगस्त 2007 एवं नगर पालिका परिषद, रुड़की द्वारा अपने पत्र दिनांक 12-11-2007 में उक्त शासनादेश द्वारा स्वीकृत कार्यों के क्र०सं०-2 ₹0 9.76 लाख को न कराये जाने के निर्णय के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि क्रमांक-2 के 9.76 लाख के कार्य को निरस्त करते हुए इस कार्य की 4.48 लाख (चार लाख अड़तालीस हजार) की धनराशि का समायोजन अन्य कार्यों में करते हुए तथा ₹0 219.71 लाख (रुपये दो करोड़ उन्नीस लाख इकहत्तर हजार मात्र) की धनराशि की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति देते हुए अवशेष धनराशि ₹0 113.51 लाख में से ₹. 80.00 लाख (रुपये अस्सी लाख मात्र) की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष के आय-व्यय से अर्थात् कुल 84.48 लाख (रुपये चौरासी लाख अड़तालीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त धनराशि ₹0 80.00 लाख (रुपये अस्सी लाख मात्र) की धनराशि को आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित नगर पालिका को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी, जो शासनादेश की शर्तों का अनुपालन होने तथा कार्य का भौतिक सत्यापन होने पर ही कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त करेंगे।
2. शासनादेश संख्या 683/V-श.वि.-06-68(सा.)/2006, दिनांक 25.3.2006 में उल्लिखित अन्य शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
4. सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो सम्बन्धित संस्था को अपेक्षित धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी।
5. स्वीकृत धनराशि का इसी वित्तीय वर्ष में उपयोग करते हुए कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जाये।
6. कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
7. निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।

8. मुख्य सचिव महोदय, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV 219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 13 के आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03- छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बॉर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05- नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता' के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0- 485/XXVII(2)/ 2007, दिनांक- 29 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,


(गोपाल कृष्ण द्विवेदी)  
अपर सचिव।

सं0-370 (1)/IV-शा0वि0-07, तददिनांक। 06/12/07

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेशित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी/नगर विकास मंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. वरिष्ठ कोशाधिकारी, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी0ओ0 में इसे शामिल करें।
9. अध्यक्ष/अधिसासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, रुड़की।
10. बजट राजकौषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(  
(ओमकार सिंह)  
अनु सचिव।